3.3.4

Mentoring provided to newly established Institutes, new research and innovation initiatives established in other universities in the area of Sanskrit basic and applied research, Quality Improvement Program in Sanskrit.

सद्यः स्थापितानां संस्थानां समारम्भाय प्रदत्तातन मार्गदर्शनानि, अन्य विश्वविद्यालयेषु मौलिक संस्कृते अनुप्रयुक्तसुसन्धानक्षेत्रे च स्थापितं नवानुसन्धानं नावीन्योपक्रमाश्च, संस्कृते गुणवत्ता सुधारणकार्यक्रमाः -

Answer -

या कापि संस्था भवति सा यथासमयं मार्गदर्शनं प्राप्त्य। उत्तरोत्तरं विकास कार्य कर्तुं प्रवृत्ता भवति। अति प्राचीनतमोऽयं विश्वविद्यालयः समग्रे भारते उद्घाटितानां संस्कृतविश्वविद्यालयानां मातृ संस्थारूपात्मकः विद्यते। अत्रस्थमनुसन्धानकार्यः लेखनकार्य च उत्कृष्टतमं भवति। सम्बद्धाः नैका संस्थाः संस्कृतक्षेत्रे महनीयं योगदानं कुर्मायाः सन्ति।

क्रमशः -

1. विश्वविद्यालयोऽयं विविधासु संस्थासु संस्कृतस्य प्रचारः प्रसारः कुर्वन् राजते। अतः सम्बद्धाः षड्शताधिकाः विद्यालयाः शास्त्राण्यं संरक्षणे महान्तं योगदानं कुर्वान्तः सन्ति।
2. **'उन्नत-भारत-अभियान'** इत्यनया योजनया अभिप्रेरितः विश्वविद्यालयस्य सम्बद्धसां संस्कृत महाविद्यालयानां समीपवर्तिषु विद्यमानान् ग्रामान् दत्तकरूपेण स्वीकृत्य संस्कृतमय वातावरणं तत्र तत्र कुर्वन् वर्तते। यथोदाहरणम्-
   1. श्री रूद्र अघ्यात्म संस्कृत महाविद्यालय, आयर, भोपापुरः - भोपापुरम् ग्रामः दत्तकरूपेण स्वीकृतः।
   2. केदारनाथ संस्कृत महाविद्यालयः, चोलापुर - गोपपुर ग्रामः दत्तकरूपेण स्वीकृतः।
   3. सरस्वती गुरूकुल विद्यापीठ मुनारी - मुनारी ग्रामः दत्तकरूपेण स्वीकृतः।
   4. श्री राजनाथ पाण्डेय संस्कृत महाविद्यालयः पाण्डेयपुर, तिवारीपुर - तिवारीपुर ग्रामः दत्तकरूपेण स्वीकृतः।
   5. श्री सरस्वती संस्कृत महाविद्यालयः, गुरवट चोलापुर वाराणसी - दत्तकरूपेण स्वीकृतः।

काशीस्थोऽयं विश्वविद्यालयः जाति-धर्म-लिङ्गयोर्भेदेविना सर्वेभ्यः संस्कृतक्षेत्रे अध्ययनाय प्रभूतावसरं ददाति। पुनः एषः संस्कृतप्रमाणपत्रीयादि पाठक्रमान् अपि सञ्चालयति। भारत सर्वकार द्वारा प्राप्त सहात्येन

कौशलविकास केन्द्रेण नैके पाठ्यक्रमाः प्रचाल्यमानाः सन्ति - यथा - ज्योतिष् विवाक् पाठ्यक्रमः, वास्तु विवाक् पाठ्यक्रमः, कर्मकाण्ड विवाक् पाठ्यक्रमः, इत्यादयः पाठ्यक्रमाः विश्वविद्यालयः सर्वदा सर्वत्र संस्कृत भाषायाः प्रचाराय प्रयतमानः वरीवर्ति।

1. संस्कृत छात्रः यः कोऽपि भवतु सः स्वयमेव अधिगन्तुं प्राथमिक भाषा ज्ञानं च प्राप्तुं संस्कृतेन शक्नुयात् इत्येव सान्द्रमुद्रिमाः निर्माण शताधिकान् पाठान् तत्र निक्षिप्य संस्कृतं सर्वसंसेव्यमिति भावनां जगतीतले उत्पादयितुं विश्वविद्यालयः समर्थो वर्तते।
2. आनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण उच्च अध्ययन संस्थान केन्द्र माध्यमेन देशे-विदेशे स्थिता संस्कृत जिज्ञासवः, त्रैमासिक प्रमाणपत्रीयः पाठ्यक्रमः, षाड्मासिकपाठ्यक्रमः अथ च एक वर्षीय पाठ्यक्रमः। एतैः पाठ्यक्रमैः - एते विषयाः निर्धारिताः सन्ति। यथा - 1-भाषाशिक्षणं, 2-अर्चकः, 3-कर्मकाण्डः, 4-ज्यातिषं कुण्डली विज्ञानञ्च, 5-वास्तु विज्ञानं, 6-वेद विज्ञानं, 7-योगः, 8-दर्शनं, 9-व्याकरणम्, 10-वेदान्तशास्त्रम्। एते विषयाः अन्तर्जाल माध्यमेन पठितुं शक्याः। तत्तद विषयषु कृतभूरिश्रम आचार्याः एतान् विषयान् पाठययिष्यन्ति। एतान् विषयान् कोऽपि जिज्ञासुः पठितुं शक्यते।
3. विश्वविद्यालयस्य आचार्याः संस्कृतंपिपठिषून केवलं कक्षायां मेव न पाठयन्ति, अपितु स्वगृहे प्रातः सायं अनवरतं पाठयन्तः सन्ति।
4. समये-समये संस्कृत संभाषण विकास कार्यशाला माध्यमेन संस्कृत भाषायाः प्रचारः प्रसारश्च विश्वविद्यालये सम्बद्ध महाविद्यालयेषु क्रियते।
5. संस्कृत नाट्ययोत्स-युव महोत्सव-वाक्प्रतियोगिता-शास्त्रार्थोदि प्रतियोगितासु यत्र इतर विश्वविद्यालयानां शिक्षकाः निर्णायकाः भवन्ति।

एवं विश्वविद्यालयस्य गति विधयः पर संस्थानां उद्विकासे सहायकाः सन्ति। संस्कृतेन भूलभूतानि अनुसन्धान कार्याणि कर्त्तुं तथा अनुप्रयोगात्मकशोधकार्यं कर्त्तुं। विश्वविद्यालयस्य शोधनीतौ विस्तरेण निरूपणं कृतम् अस्ति। विश्वविद्यालस्य जालपुरे आरोपितानि च सन्ति।

सधः स्थापिततानां संस्थानां सभारम्भाय प्रदत्तानि मार्गदर्शनानि, अन्य विश्वविद्यालयेषु मौलिक संस्कृते अनु-प्रयुक्तानुसन्धान्क्षे श्रे च स्थापितं नवानुसाधानं नावीन्योप क्रमाश्च, संस्कृते गुणवत्ता सुधारणकार्यक्रमाः।

या कापि संस्था भवति सा यथासभयं मार्गदर्शन प्राप्ता उत्तरोत्तरं विकास कार्य कर्तुं प्रवृत्ता भवति। अतिप्राचीन तमोऽयं विश्वविद्यालया समग्रे भारते उद्धाटितानां संस्कृत विश्वविद्यालयानां मातृ संस्थारूपात्मकः विद्यते। अभस्थंम नुसान्धानकार्य लेखनकार्य च उत्कृष्टतम भवति। संम्बद्धाः नैकाः संस्थाः संस्कृतक्षेत्रे महनीयं योगदानं कुर्माणाः सन्ति।

1. विश्वविद्यालयोस्य विविधासु संस्थासु संस्कृतस्य प्रचारः प्रसारः कुर्वन् राजते। इतः सम्बद्धाः षड्शतधिका विद्यालयाः शास्त्राणां संरक्षणे महन्तं योगदान कुर्ततः सन्ति।
2. उन्नत-भारत अभियान इत्यनया योजनाया अभिप्रेरितः विश्वविद्यालयस्य सम्बद्धनां।

विचार-विमर्श के अनन्तर कार्यपरिषद् ने निर्देश दिया कि शासनादेश का पालन सुनिश्चित करते हुए कार्यवाही की जाय।

कार्यपरिषद को अवगत कराया गया कि मण्डलीय उप शिक्षा निदेशक(मा.) तृतीय मण्डल, बरेली के पत्रांक मा.शाह./2574-75/2022-23, दिनांक 12.10.2022 के द्वारा मा. उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित याचिका सं.14415/2022 कमेटी ऑफ मैनेजमेण्ट श्री परशुराम संस्कृत महाविद्यालय, जलालाबाद, शाहजहाँपुर पारित आदेश दिनांक 28.09.2022 के अनुपालन में मण्डल के संस्कृत महाविद्यालयों में कार्यरत प्रवक्ताओं की संशोधित सूची प्रेषित की गयी है उसके अनुसार विषय विशेषज्ञ उपलब्ध नही हो पा रहे है।

कार्यपरिषद् उक्त से अवगत होते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया विषय विशेषज्ञ की नियुक्ति कुलपति स्वविवेक से किसी क्षेत्र से विद्वान अध्यापक/आचार्य नामित कर सकते है।

कार्यपरिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्राचार्य पद नियुक्ति हेतु अनुमोदन उन्ही अभ्यर्थी का किया जाय जिनकी अध्यापक के रूप में पाँच वर्ष की नियमित सेवा हो तथा बैंक खाते के माध्यम से पारिश्रमिक/वेतन/मानदेय भुगतान हो।

कार्यपरिषद के समक्ष उपर्युक्त पर विचार के क्रम में मान्यता समिति की बैठक दिनांक 13.12.2022 की अधोलिखित संस्तुति प्रस्तुत की गयी।

सम्बद्धता /मान्यता समिति

दिनांक 13-12-2022
समय-अपराह्ण 03:00 बजे
स्थान- कुलपति कार्यालय

- प्रो॰ हरेराम त्रिपाठी	अध्यक्ष
- प्रो॰ महेन्द्र पाण्डेय	सदस्य
- शिक्षा निदेशक या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
- निदेशक उच्चतर शिक्षा या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
- कुलसचिव	सचिव, सदस्य

सम्बद्धता/मान्यता समिति की बैठक दिनांक 13-12-2022 में विचारार्थ प्रस्तुत होने वाले महाविद्यालयों की सूची
निरीक्षण मण्डल की संस्तुतियों पर विचार।

1- श्री रामराज संस्कृत महाविद्यालय, सरायलोका, जौनपुर।

श्री रामराज संस्कृत महाविद्यालय, सरायलोका, जौनपुर द्वारा दिनांक 20-04-2007 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर साहित्य, व्याकरण, दर्शन तथा ज्योतिष की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांक:सामान्य(2)विस्तार/1783/2019-20, दिनांक 24-10-2019 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्रजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.10000/- (दस हजार मात्र) भूमि 0.433 हेक्टेयर(46607.73 वर्ग फुट) 05 कक्ष 25×30 वर्गफुट (निर्माणाधीन), 01 शौचालय, 01 क्रीडा स्थल 160×170 एवं पुस्तकालय कक्ष (निर्माणाधीन) है। आय के सम्बन्ध में बैंक स्टेटमेंट, पासबुक, पुस्तकालय आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 07-02-2020 को प्रो॰ सदानन्द शुक्ल, प्रो॰ दुर्गानन्दन तिवारी एवं डॉ॰ विद्या कुमारी चन्द्रा का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 13-02-2020 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 04-03-2020 को महाविद्यालय निरीक्षण किया गया तथा यह पाया कि महाविद्यालय के नाम भूमि 0.433 हेक्टेयर(46607.73 वर्ग फुट), 4 कक्ष (टिन शेड में), 04 कमरें पुराना निर्मित भवन, 01 हाल, 01 क्रीडा प्रांगण, 01 पुस्तकालय कक्ष है। निरीक्षण मण्डल द्वारा शास्त्री साहित्य, व्याकरण दर्शन एवं ज्योतिष विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री साहित्य, व्याकरण दर्शन एवं ज्योतिष** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान करती है।

2- किशोरी देवी संस्कृत महाविद्यालय, सेहड़ा चकरवा, देवरिया।

प्रबन्धक, किशोरी देवी संस्कृत महाविद्यालय, सेहड़ा चकरवा, देवरिया द्वारा दिनांक 16-07-2016 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर साहित्य बौद्धदर्शन की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांक:उ.शि.नि.(सं.)/शिविर/297/2017-18, दिनांक 03-01-2017 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्रावलियों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.25000/-(पच्चीस हजार मात्र) भूमि 0.405 हक्टेयर(43593.84 वर्ग फुट) 08 कक्ष 30×28 वर्गफुट, पुस्तकालय कक्ष है। आय के सम्बन्ध में बैंक स्टेटमेंट, पासबुक, पुस्तकालय आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 09-11-2020 को प्रो.ब्रज भूषण ओझा एवं डॉ. सुभाष पाण्डेय का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 23-11-2020 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 04-02-2021 को महाविद्यालय निरीक्षण किया गया तथा यह पाया कि महाविद्यालय के नाम भूमि 0.405 हेक्टेयर (43593.84 वर्ग फुट), 03 कक्ष 20×25(02 कक्ष निमार्णाधीन 20×25, 01 हाल 20×25, 01 कार्यालय कक्ष, 01 पुस्तकालय कक्ष एवं क्रीडा स्थल है। निरीक्षण मण्डल द्वारा शास्त्री साहित्य व बौद्धदर्शन विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्ते मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री साहित्य व बौद्धदर्शन** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान करती है।

3- रामप्रसाद मुन्ना संस्कृत महाविद्यालय, नुरूल्लाहपुर, गाजीपुर।

प्रबन्धक, रामप्रसाद मुन्ना संस्कृत महाविद्यालय, नुरूल्लाहपुर, गाजीपुर द्वारा दिनांक 21-01-2019 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर साहित्य, पुराणेतिहास एवं 'ख' वर्ग हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, गृहविज्ञान, इतिहास एवं समाजशास्त्र की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांक:सामान्य(2)विस्तार/4184/2018-19, दिनांक 04-01-2019 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्रावलियों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.25000/-(पच्चीस हजार मात्र) भूमि 0.2520 हे. (27125 वर्गफुट), 09 कक्ष 20×25, 01 हाल, 05 अतिरिक्त कक्ष (03 लैट्रिन, 02 बाथरूम), पुस्तकालय कक्ष एवं क्रीड़ा स्थल है। आय के सम्बन्ध में पासबुक आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 01-03-2020 को प्रो. शशिरानी मिश्रा, डॉ. विजय कुमार पाण्डेय एवं डॉ. शशिकान्त द्विवेदी का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 27-08-2020 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 06-02-2021 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय के नाम भूमि 0.2520 हे. 01 कक्ष 20×25, 01 हाल 75×20, 01 पुस्तकालय कक्ष (**मौके पर इतने कक्ष उपलब्ध नहीं**) है। निरीक्षण मण्डल द्वारा शास्त्री स्तर पर साहित्य, पुराणेतिहास एवं 'ख' वर्ग हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, गृहविज्ञान, इतिहास एवं समाजशास्त्र की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्ते मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को शास्त्री स्तर पर साहित्य, पुराणेतिहास एवं 'ख' वर्ग हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, गृहविज्ञान, इतिहास एवं समाजशास्त्र विषय की **सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान नहीं करती है।**

4- मुकुलारण्यम संस्कृत महाविद्यालय, सिगरा, वाराणसी।

प्रबन्धक, मुकुलारण्यम संस्कृत महाविद्यालय, सिगरा, वाराणसी द्वारा दिनांक 19-07-2019 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर संस्कृत, हिन्दी भाषा, इतिहास, भूगोल, राजनितिशास्त्र, विज्ञान, वेदान्त एवं दर्शन पाठ्यक्रम हेतु सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांक:मामान्य(2)विस्तार/7400/2020-21, दिनांक 10-02-2021 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्रावलियों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.25000/-(पच्चीस हजार मात्र) भूमि 10000 वर्गफुट 01 कक्ष 25×25, 01 पुस्तकालय कक्ष, क्रीडा स्थल है। आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक का प्रमाण, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय शहरी क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 24-03-2022 को प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल, प्रो. रामपूजन पाण्डेय एवं श्री चन्द्रनाथ मिश्र(स.कुलसचिव) का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 30-03-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 11-04-2022 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय के नाम भूमि 10000 वर्गफुट) 08 कक्ष (441 वर्गफुट प्रत्येक), 01 हाल 882 वर्गफुट, 01 पुस्तकालय कक्ष एवं क्रीडा स्थल है। निरीक्षण मण्डल द्वारा शास्त्री स्तर पर साहित्य, दर्शन एवं वेदान्त विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्ते मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री स्तर पर साहित्य, दर्शन एवं वेदान्त** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान प्रदान करती है।

5-विमला राधेश्याम संस्कृत महाविद्यालय, पचारा, नन्दगंज, गाजीपुर।

प्रबन्धक, विमला राधेश्याम संस्कृत महाविद्यालय, पचारा नन्दगंज, गाजीपुर द्वारा दिनांक 18-02-2017 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर साहित्य, दर्शन एवं पुराणेतिहास की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत)

की संस्तुति पत्र दिनांक 15-12-2016 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.25,000/-(पच्चीस हजार मात्र) भूमि 0.1580 हेक्टेयर(17006 वर्गफुट) 08×06 मीटर, 11 कक्ष 16×06 मीटर, 02 कक्ष, 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड है। आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक की छायाप्रति, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 08-09-2017 को प्रो.आशुतोष मिश्र, प्रो. जय प्रकाश नारायण त्रिपाठी एवं प्रो. सुधाकर मिश्र का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 15-11-2017 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 06-01-2017 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय के भूमि 0.1580 हेक्टेयर(17006 वर्गफुट) 07 कक्ष 20×25, 01 हाल 30×25 वर्गफुट, तथा 01 पुस्तकालय है। निरीक्षण मण्डल द्वारा साहित्य, दर्शन एवं पुराणेतिहास विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को सम्बद्धता/मान्यता हेतु मानक के अनुसार भूमि उपलब्ध न होना पाया। अतः मानकानुसार भूमि का प्रमाण उपलब्ध होने पर मान्यता पर विचार किया जाय। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री स्तर पर साहित्य, दर्शन एवं पुराणेतिहास** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति पर विचार किया जाना समीचीन होगा। **(विश्वविद्यालयीय पत्रांक-जी॰1042/17-22, दिनांक 26-05-2022 के मातव्य में प्रबन्धक द्वारा मानकानुसार भूमि(.2550 हे॰)27447 वर्गफुट शपथ-पत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है)।**

6-गोस्वामी दुखी बाबा संस्कृत महाविद्यालय, आगागंज टिकरी, अयोध्या।

गोस्वामी दुखी बाबा संस्कृत महाविद्यालय, आगागंज टिकरी, अयोध्या द्वारा दिनांक 29-01-2022 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर साहित्य, व्याकरण, पौरोहित्य एवं ज्योतिष की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांकःसा॰(2)विस्तार/4780-81/2020-21 दिनांक 11-10-2021 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.50000/-(पच्चास हजार मात्र) भूमि 0.2050 हेक्टेयर(22066 वर्गफुट) 02 कक्ष 5.90×6.37 मीटर, 02 कक्ष 6.55×4.65 मीटर, 01 हाल 150×30 फीट 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड 0.755 हेक्टेयर है। आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक की छायाप्रति, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 12-05-2022 को प्रो. राजकिशोर त्रिपाठी, डॉ. ज्ञानेन्द्र सापकोटा एवं श्री केशलाल, उपकुलसचिव(सम्बद्धता) का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 26-05-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 08-06-2022 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय के 0.2050 हेक्टेयर(22066 वर्गफुट) 02 कक्ष 5.90×6.37 मीटर, 02 कक्ष 6.55×4.65 मीटर, 01 हाल 150×30 फीट 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड 0.755 हेक्टेयर है निरीक्षण मण्डल द्वारा साहित्य, पौरोहित्य विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री स्तर पर साहित्य, पौरोहित्य** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान प्रदान करती है।

7-श्री भगवान विष्णु स्वामी सतुआ बाबा संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़वासी टोला, वाराणसी।

श्री भगवान विष्णु स्वामी सतुआ बाबा संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़वासी टोला, वाराणसी द्वारा दिनांक 30-10-2021 को विश्वविद्यालय में शास्त्री, आचार्य स्तर पर नव्यव्याकरण, शुक्लयर्जुवेद, साहित्य की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांकःसामान्य(2)विस्तार/4745/2021-22 दिनांक 29-09-2021 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.50000/-(पच्चीस हजार मात्र) **भूमि 62.43 वर्गमीटर 06 कक्ष ?**, 01 हाल, 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड है। आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक की छायाप्रति, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय शहरी क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 15-03-2022 को प्रो. शैलेश कुमार मिश्र, प्रो. राजनाथ एवं श्री केशलाल, उपकुलसचिव(सम्बद्धता) का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 07-04-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 20-08-2022 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय के **भूमि 62.43 वर्गमीटर, 06 कक्ष ?**, 01 हाल, 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड है। निरीक्षण मण्डल द्वारा नव्यव्याकरण, शुक्लयर्जुवेद, साहित्य विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री, आचार्य स्तर पर नव्यव्याकरण, शुक्लयर्जुवेद, साहित्य** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान प्रदान करती है।

(अस्थायी मान्यता इस शर्त के साथ दिये जाने की संस्तुति की गयी है कि उद्धृत भूमि पर मानकानुसार भवन निर्माण कराकर स्थायी मान्यता से पूर्व निरीक्षण मण्डल से परीक्षण कराकर स्थायीकरण कराया जाय।)

8- स्व.रामअहैबर सिंह शिक्षण संस्थान संस्कृत महाविद्यालय, प्यारेपुर पट्टी, प्रतापगढ़।

स्व. रामअहैबर सिंह शिक्षण संस्थान संस्कृत महाविद्यालय, प्यारेपुर पट्टी, प्रतापगढ़ द्वारा दिनांक जी॰4656/20 दिनांक 03-11-2020 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर साहित्य, व्याकरण, सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा

निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांकःमा.(2)विस्तार/4437/2020-21 दिनांक 15-10-2020 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.25000/-(पच्चीस हजार मात्र) भूमि 0.240 हेक्टेयर(25833.4 वर्गफुट) 05 कक्ष 20×30 वर्गफुट, 02 कक्ष 20×25 वर्गफुट, 02 कक्ष 20×20 फीट, 02 कक्ष 20×15 फीट आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक की छायाप्रति, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 10-12-2022 को प्रो. सुधाकर मिश्र, डॉ. सत्येन्द्र कुमार यादव एवं श्री अमित कुमार श्रीवास्तव (वरिष्ठ सहायक, सम्बद्धता) का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 10-12-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 11-12-2022 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय के भूमि 0.240 हेक्टेयर(25833.4 वर्गफुट) 05 कक्ष 20×30 फीट, 02 कक्ष 20×25 फीट, 02 कक्ष 20×20, 02 कक्ष 20×15 फीट, 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड़ है। निरीक्षण मण्डल द्वारा साहित्य, व्याकरण विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री स्तर पर साहित्य**, **व्याकरण** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान प्रदान करती है।

9- निर्मला संस्कृत महाविद्यालय, रतासी, बदलापुर, जौनपुर।

निर्मला संस्कृत महाविद्यालय, रतासी, बदलापुर, जौनपुर द्वारा दिनांक जी.3151/2022 दिनांक 29-08-2022 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर साहित्य, व्याकरण, सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांकःमा.(2 विस्तार/6053/2022-23 दिनांक 24-08-2022 के आधार पर शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.50000/-(पचाँस हजार मात्र) भूमि 0.405 हेक्टेयर(43593.84 वर्गफुट) कुल 09 कक्ष, 06 कक्ष 20×25 वर्गफुट, 01 कक्ष 20×25 वर्गफुट, प्रचार्य 01 कक्ष 20×15 फीट, 01 कक्ष 20×25 फीट, 01 पुस्तकालय 20×25 वर्गफुट एवं आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक की छायाप्रति, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 10-12-2022 को प्रो. शम्भु नाथ शुक्ल, डॉ. विमल कुमार त्रिपाठी एवं श्री त्रिभुवन मिश्र (अधीक्षक, सम्बद्धता) का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 10-12-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 11-12-2022 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय के भूमि 0.405 हेक्टेयर(43593.84 वर्गफुट) कुल 09 कक्ष, 06 कक्ष 20×25 वर्गफुट, 01 कक्ष 20×25 वर्गफुट, प्रचार्य 01 कक्ष 20×15 फीट, 01 कक्ष 20×25 फीट, 01 पुस्तकालय 20×25 वर्गफुट है। निरीक्षण मण्डल द्वारा साहित्य, व्याकरण विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री स्तर पर साहित्य**, **व्याकरण** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान प्रदान करती है।

उत्तर प्रदेश के बाहर

1-श्रीमान श्री वल्लभ जी व श्रीमती धत्रीवाई चाण्डक ट्रस्ट संस्कृत महाविद्यालय, अम्बापेठा, अमरावती, महराष्ट्र।

श्रीमान श्री वल्लभ जी व श्रीमती धत्रीवाई चाण्डक ट्रस्ट संस्कृत महाविद्यालय, अम्बापेठा, अमरावती, महराष्ट्र द्वारा दिनांक 06-01-2016 को विश्वविद्यालय में मध्यमा एवं शास्त्री स्तर पर नव्यव्याकरण की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर शिक्षण संचालन (उच्च शिक्षण) महाराष्ट्र राज्य, पुणे क्रमांकःअमवि/2017/17330/मवि-1/9670 दिनांक 09-08-2017 के आधार पर मध्यमा एवं शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.50000/-(पच्चास हजार मात्र) भूमि 1366.1 मीटर (14704.57 वर्गफुट) 06 कक्ष, 01 हाल पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड़ है। आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक की छायाप्रति, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय शहरी क्षेत्र(मध्य क्षेत्र) में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 28-04-2022 को प्रो. हरिशंकर पाण्डेय, प्रो. गोखले एवं श्री प्रभुनाथ सिंह यादव का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 19-05-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 04-08-2022 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय भूमि 1366.1 मीटर (14704.57 वर्गफुट) 06 कक्ष, 01 हाल पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रागंड़ है। निरीक्षण मण्डल द्वारा मध्यमा एवं शास्त्री स्तर पर नव्यव्याकरण की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **मध्यमा** एवं **शास्त्री स्तर पर नव्यव्याकरण** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान प्रदान करती है।

2-रेनूबाला कालेज आफ एजुकेशन एण्ड संस्कृत सागर, दीघी कमलावाड़ी, मालदा, पं. बंगाल।

रेनूबाला कालेज आफ एजुकेशन एण्ड संस्कृत सागर, दीघी कमलावाड़ी, मालदा, पं. बंगाल द्वारा दिनांक 13-01-2021 को विश्वविद्यालय में **प्रथमा एवं शास्त्री स्तर पर साहित्य** सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर स्पेशल सेक्रेटरी, कोलकता दिनांक 21 अप्रैल, 2021 के आधार पर प्रथमा एवं शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.50000/-(पच्चास हजार मात्र) भूमि 76 डिसिमिल (33163 वर्गफुट) 14 कक्ष 20×22 फीट, 01 हाल 30×60 फीट, 01 प्राचार्य कक्ष, 01 अध्यापक कक्ष

, 01 कार्यालय कक्ष, 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रांगड़ 10,000 वर्गफीट है। आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक की छायाप्रति, आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 23-04-2022 को प्रो. राजनाथ, प्रो. हीरककान्ति चक्रवर्ती एवं श्री विजय चटर्जी का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 20-05-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनाक 27-07-2022 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि महाविद्यालय भूमि 76 डिसिमिल (33163 वर्गफुट) 14 कक्ष 20×22 फीट, 01 हाल 30×60 फीट, 01 प्राचार्य कक्ष, 01 अध्यापक कक्ष, 01 कार्यालय कक्ष, 01 पुस्तकालय एवं क्रीडा प्रांगड़ 10,000 वर्गफीट है। निरीक्षण मण्डल द्वारा प्रथमा एवं शास्त्री स्तर पर साहित्य, व्याकरण, एवं दर्शन की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण हैं। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **प्रथमा एवं शास्त्री स्तर पर साहित्य, व्याकरण एवं दर्शन** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान करती है।

3- नर्ग्यु सेड्डा पेमा डरोहुल फेलग्यलिंग रिगछेरपोंग पश्चिम, सिक्किम।

प्रबन्धक, नर्ग्यु सेड्डा पेमा दरोहुल फेलग्यलिंग रिगछेरपोंग पश्चिम, सिक्किम द्वारा दिनांक 01-02-2018 को विश्वविद्यालय में पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर बौद्ध दर्शन, मूलशास्त्र, संस्कृत(व्याकरण एवं साहित्य) की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर श्रीमती पुष्पी ल्हेन्डुप शेर्पा अनत्यमाहु अडिसहु के पत्र दिनांक ॊ्तः410/अर्थी33 की संस्तुति पत्र दिनाक 29-12-2017 के आधार पर पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा, शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.50000/-(पचास हजार मात्र) भूमि 3.4860 हेक्टेयर 10 व्याख्यान कक्ष, 01 पुस्तकालय कक्ष, 01 कार्यालय कक्ष, 01 हाल, 100 छात्रों के लिए छात्रावास एवं क्रीडा स्थल सहित है। आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 27-01-2021 को प्रो. हरिशंकर पाण्डेय, प्रो. ब्रज भूषण ओझा एवं श्री राजबहादुर(कुलसचिव) का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 27-01-2021 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 09-03-2021 को महाविद्यालय निरीक्षण किया गया तथा यह पाया कि महाविद्यालय के नाम भूमि भूमि 3.4860 हेक्टेयर 12 कक्ष, 01 कार्यालय कक्ष, 01 हाल, 01 प्राचार्य कक्ष 01 पुस्तकालय, क्रीडा प्रांगड है। (01 निर्माणाधीन आडिटोरियम, 01 अतिरिक्त संगोष्ठी कक्ष) निरीक्षण मण्डल द्वारा पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर बौद्ध दर्शन, मूलशास्त्र, संस्कृत(व्याकरण एवं साहित्य) की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर बौद्ध दर्शन, मूलशास्त्र, संस्कृत विद्या, व्याकरण, पालि एवं साहित्य** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान करती है

(विद्यालय/महाविद्यालय नाम में आंशिक संशोधन)

1-चूणामणि संस्कृत संस्थानम्, बसोहली, कठुआ, जम्मू काश्मीर।

प्राचार्य के पत्र पत्रांक चू.सं.सं.वि.09121, दिनांक 14-07-2021 के क्रम में मा. कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 06-06-2022 के सातत्य में चूणामणि संस्कृत संस्थानम्, बसोहली, जनपद-कठुआ, जम्मू काश्मीर के **स्थान पर चूड़ामणि संस्कृत संस्थान बसोहली, कठुआ, जम्मू काश्मीर होना है।**

2- श्री कृष्ण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय, हाथरस।

का. प्रधानाचार्य के पत्र दिनांक 15-03-2022 के क्रम में मा. कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 20-06-2022 के सातत्य श्री कृष्ण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय, हाथरस के **स्थान पर श्रीकृष्ण ब्रह्मचर्याश्रम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हाथरस होना है।**

मान्यता उच्चीकरण के सन्दर्भ में निरीक्षण मण्डल की संस्तुतियों पर विचार।

1-नरसिंह बहादुर सिंह शान्ती देवी संस्कृत महाविद्यालय छीटपुर, प्रेमधरपट्टी, बाबाबेलखरनाथ धाम रानीगंज, प्रतापगढ़।

प्रबन्धक, नरसिंह बहादुर सिंह शान्ती देवी संस्कृत महाविद्यालय छीटपुर, प्रेमधरपट्टी, बाबाबेलखरनाथ धाम रानीगंज, प्रतापगढ़ द्वारा दिनांक 22-02-2020 को विश्वविद्यालय में आचार्य स्तर पर साहित्य व्याकरण एवं ज्योतिष विषय की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांकःउ.शि.नि.(सं.)/शिविर/134/2015-16 दिनांक 06-05-2016 के आधार पर आचार्य पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्राजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू.15,000/-(पन्द्रह हजार मात्र) भूमि रजिस्टर्ड दान पत्र 0.1260 हे.(13562.52 वर्गफुट), 08 कक्ष 20×25, 02 हाल 20×30, 01 पुस्तकालय 18×20, 01 सभागार 60×40, 01 प्राचार्य कक्ष, 01 अध्यापक कक्ष, 01 कम्प्यूटर कक्ष, 04 शौचालय, 06 मुत्रालय, 02 हैंडपम्प, 01 क्रीडा स्थल 20×15 मी. आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक, पुस्तकालय आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 29-02-2020 को प्रो. शशिरानी मिश्रा, डॉ. विजय कुमार पाण्डेय एवं डॉ. दिनेश कुमार गर्ग का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 06-03-2020 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 26-11-2020 को महाविद्यालय निरीक्षण किया गया तथा यह पाया कि महाविद्यालय

के नाम भूमि 0.1260 हे.(13562.53 वर्गफुट) 11 कक्ष, 01 हाल, प्राचार्य कक्ष, 1 कार्यालय, 1 पुस्तकालय कक्ष एवं क्रीडा स्थल है। निरीक्षण मण्डल द्वारा आचार्य साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **आचार्य- साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषय** की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान करती है।

2-नाथ चन्द्रावत संस्कृत महाविद्यालय, जगदीशपुर, गोरखपुर।

प्रबन्धक, नाथ चन्द्रावत संस्कृत महाविद्यालय, जगदीशपुर, गोरखपुर द्वारा दिनांक 10-01-2017 को विश्वविद्यालय में शास्त्री स्तर पर ज्योतिष, दर्शन, पुराणेतिहास एवं आचार्य स्तर पर साहित्य विषय की सम्बद्धता/मान्यता हेतु आवेदन किया गया। जिस पर उप शिक्षा निदेशक(संस्कृत) की संस्तुति पत्र पत्रांकःसामान्य(2)/विम्नार/4546/2018-19, दिनांक 27-02-2019 के आधार पर शास्त्री स्तर पर ज्योतिष, दर्शन, पुराणेतिहास एवं आचार्य स्तर पर साहित्य पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुसंशा की। आवेदन पत्र के साथ संलग्न पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि महाविद्यालय द्वारा सम्बद्धता शुल्क रू10,000/-(दस हजार मात्र) भूमि रजिस्टर्ड दान पत्र 1.014 हे.(109146.05 वर्गफुट), आय के सम्बन्ध में बैंक पासबुक, पुस्तकालय आदि विवरण के साथ प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 11-04-2022 को प्रो. पुरस्ती मनोहर पाठक, प्रो. हरिशंकर पाण्डेय एवं श्री सुनील कुमार(सहायक कुलसचिव) का निरीक्षक मण्डल गठित किया गया। जिसका पत्र दिनांक 06-05-2022 को निरीक्षण मण्डल का गठन हेतु प्रेषित किया गया। निरीक्षण मण्डल द्वारा दिनांक 10-06-2022 को महाविद्यालय निरीक्षण किया गया तथा यह पाया कि महाविद्यालय के नाम भूमि 1.014 हे. (109146.05 वर्गफुट), 06 कक्ष 30×20, 01 हाल 40×20, 01 पुस्तकालय कक्ष 30×20 एवं क्रीडा स्थल है। निरीक्षण मण्डल द्वारा शास्त्री स्तर पर ज्योतिष, दर्शन, पुराणेतिहास एवं आचार्य स्तर पर साहित्य विषय की संस्तुति किया गया है। सम्बद्धता/मान्यता की अन्य शर्तें मानकानुसार औपचारिकतायें पूर्ण है। अतः निरीक्षण मण्डल की संस्तुति के परिप्रेक्ष्य में यह समिति विचार विमर्श के अनन्तर महाविद्यालय को **शास्त्री स्तर पर ज्योतिष, दर्शन, पुराणेतिहास एवं आचार्य स्तर पर साहित्य** विषय की **अस्थायी** सम्बद्धता/मान्यता की संस्तुति प्रदान करती है।

विचार-विमर्श के अनन्तर कार्यपरिषद् ने सर्वसम्मति से मान्यता समिति की बैठक दिनांक 13.12.2022 की संस्तुति पर अपनी स्वीकृति प्रदान की।

कार्यपरिषद ने श्री राम कृष्ण शारदा संस्कृत विद्यापीठ महाविद्यालय, आराम बाग, हुगली, प.बंगाल को वर्ष 2016 प्राप्त प्रथमा, पूर्वमध्यमा, उत्तरमध्यमा एवं शास्त्री (साहित्य एवं व्याकरण) विषयों की अस्थायी मान्यता/सम्बद्धता को स्थायी मान्यता/सम्बद्धता प्रदान करने की स्वीकृति दी।

माननीय राज्य सूचना आयुक्त, उत्तर-प्रदेश के उपर्युक्त आदेश पर कार्यपरिषद् ने गम्भीरतापूर्वक विचार-विमर्श करने के पश्चात् सर्वसम्मति से अधोलिखित संकल्प पारित किया।

"कार्यपरिषद् अपने पूर्व निर्णय दिनांक 19.12.2005, दिनांक 06.08.2017, 27.03.2018 एवं 27.06.2018 पर दृढ़ है तथा श्री सोमेश तिवारी द्वारा कार्यपरिषद्, कुलपति एवं कुलसचिव के प्रति की गयी असंसदीय एवं अमर्यादित टिप्पणी पर आक्रोश व्यक्त किया।

क्रम सं. -6- मान्यता समिति की बैठक दिनांक 18.09.2019 की संस्तुतियों पर विचार।

कार्यपरिषद् के समक्ष सम्बद्धता/मान्यता समिति की बैठक दिनांक 18.09.2019 की अधोलिखित संस्तुति प्रस्तुत की गयी-

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

सम्बद्धता समिति/मान्यता समिति

दिनांक 18-09-2019
स्थान- कुलपति कार्यालय
समय- अपराह्न [illegible]

(10)

1- प्रो0 राजाराम शुक्ल	अध्यक्ष
2- प्रो0 रामपूजन पाण्डेय	सदस्य
3- कुलसचिव	सदस्य सचिव

1-कार्यक्रम संख्या-1 निरीक्षण मण्डल की संस्तुतियों पर विचार।

1- विमला देवी संस्कृत महाविद्यालय [illegible] पट्टी, अंकरगंज, जौनपुर।
विचार-विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत [illegible] पत्र सलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक [illegible] 2018 कि महाविद्यालय के नाम भूमि 3000 स्क्वायर फीट [illegible] कक्ष है एवं अन्य सभी आवश्यकताएं पूर्ण हैं। [illegible] साहित्य विषय की मान्यता [illegible] की जाती है, [illegible] गम्भीरता पूर्वक [illegible] करने के पश्चात सम्बद्धता समिति [illegible] महाविद्यालय के पास अपेक्षित भूमि एवं भवन न होने के कारण महाविद्यालय को सम्बद्धता प्रदत्त न की जाय।

2- माँ शारदा संस्कृत महाविद्यालय [illegible], पो0 [illegible], आजमगढ़।
विचार-विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत [illegible] पत्र संलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक [illegible] 2017 कि महाविद्यालय के नाम भूमि [illegible] कक्ष 6 निर्मित [illegible] 1- 30×35, [illegible] है। [illegible] उपलब्ध है एवं अन्य सभी औपचारिकताएं [illegible] है। अतः उक्त के आलोक में [illegible] शास्त्री मान्यता हेतु संस्तुति की [illegible] है, [illegible] गम्भीरता पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात सम्बद्धता समिति संस्तुति [illegible] महाविद्यालय के पास अपेक्षित भूमि एवं भवन न होने के कारण महाविद्यालय को सम्बद्धता प्रदत्त न की जाय।

3- नीलकंठ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, [illegible], [illegible], जौनपुर।
विचार विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत [illegible] पत्र सलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक [illegible] 2017 कि महाविद्यालय के नाम [illegible]

10 निर्मित है। पुस्तकालय उपलब्ध है एवं अन्य सभी औपचारिकताएं पूर्ण हैं। अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में समिति साहित्य, व्याकरण, पुराणेतिहास में मान्यता प्रदान करने की संस्तुति करती है, का गहनता पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात सम्बद्धता समिति संस्तुति की कि **महाविद्यालय को शास्त्री-साहित्य एवं पुराणेतिहास की मान्यता इस शर्त पर स्वीकृत कि महाविद्यालय इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत करे, कि नीलकंठ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रेहटी, त्रिलोचन, जौनपुर के नाम भूमि एवं भवन पर उक्त नाम का संस्कृत महाविद्यालय ही संचालित होगा,** तत्पश्चात महाविद्यालय को पत्र निर्गत किया जाय।

4- स्व० माधव प्रसाद संस्कृत महाविद्यालय, [illegible], [illegible], बाँसगाँव, गोरखपुर।

विचार-विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र संलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक 18-11-2017 कि महाविद्यालय के नाम भूमि 0.506 हेक्टेयर (54465.38 वर्गफुट), 0.162 हेक्टेयर(17437.53 वर्गफुट), कक्ष 10, 400 वर्गफुट, हाल 1- 400 वर्गफुट, क्रीड़ाप्रांगण है। पुस्तकालय उपलब्ध है एवं अन्य सभी औपचारिकताएं पूर्ण हैं। अतः उपर्युक्त महाविद्यालय का निरीक्षण किया। मान्यता (नवीन) के लिए परिनियम निर्दिष्ट सभी आवश्यक संसाधनों से परिपूर्ण पाया गया।10 (दस) कमरे (प्रत्येक 400 वर्गफीट) (अध्यापक कक्ष के लिए पुस्तकालय कक्ष, प्राचार्य कक्ष कार्यालय, लैट्रिन(पुरुष एवं महिला अलग-अलग) खेल के लिए मैदान (महाविद्यालय परिसर में ही) खेल सामग्री, आवश्यक पुस्तकें समुचित मात्रा में उपलब्ध है। निरीक्षक मण्डल उपर्युक्त महाविद्यालय (स्व.माधव प्रसाद संस्कृत महाविद्यालय) को शास्त्री-साहित्य, व्याकरण,ज्योतिष, पुराणेतिहास। (चार) विषयों, 'ख' वर्ग गृह विज्ञान में मान्यता(नवीन) प्रदान करने के लिए संस्तुति की जाती है, का गहनता पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात सम्बद्धता समिति संस्तुति की कि **महाविद्यालय को साहित्य, पुराणेतिहास एवं 'ख' वर्ग गृहविज्ञान की सम्बद्धता/मान्यता प्रदान की जाय।**

5- राम किशोर सिंह संस्कृत महाविद्यालय, [illegible], सन्तकबीरनगर।

विचार-विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र संलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक 17-11-2017 कि महाविद्यालय के नाम भूमि 0.202 हेक्टेयर(21743.10 वर्गफुट), कक्ष 10, निर्मित 20×25, पुस्तकालय उपलब्ध है एवं अन्य सभी औपचारिकताएं पूर्ण है। अतः "इस महाविद्यालय में सम्यक स्थलीय निरीक्षणोपरान्त (निरीक्षण दिनांक 17-11-2017) शास्त्री-साहित्य एवं व्याकरण की मान्यता हेतु संस्तुति की जाती है, का गहनता पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात सम्बद्धता समिति संस्तुति की कि **महाविद्यालय को साहित्य, पुराणेतिहास की सम्बद्धता/मान्यता प्रदान की जाय।**

6- कंचन बालिका महाविद्यालय, बंधवा बाजार, [illegible], जौनपुर।

विचार-विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र संलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक 13-11-2017 कि महाविद्यालय के नाम भूमि 0.204 हेक्टेयर(21958.38 वर्गफुट), कक्ष 16, 15×19.3, कक्ष 12, 29×19, 01 हाल- है। पुस्तकालय उपलब्ध है एवं अन्य सभी औपचारिकताएं पूर्ण है। अतः " मान्यता हेतु प्रस्तावित कंचन बालिका महाविद्यालय के पास मानकानुसार भूमि भवन उपलब्ध है किन्तु भूमि-भवन आदि अभिलेखों में 'संस्कृत' शब्द उल्लिखित नहीं है। ऐसी स्थिति में समिति का यह अभिमत है कि महाविद्यालय की भूमि के अभिलेखों एवं भवन में (संस्था के नाम में) केवल संस्कृत महाविद्यालय अर्थात 'संस्कृत' शब्द को उल्लिखित करने के प्रमाण प्रस्तुत करने के अनन्तर ही उक्त महाविद्यालय को साहित्य, नव्यव्याकरण एवं प्रा.व्याकरण विषयों के साथ शास्त्री स्तर पर्यन्त की मान्यता प्रदान की जा सकेगी, का गहनता पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात सम्बद्धता समिति संस्तुति की कि **महाविद्यालय को शास्त्री-साहित्य एवं व्याकरण की मान्यता इस शर्त पर स्वीकृत कि महाविद्यालय इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत करें, कि कंचन बालिका महाविद्यालय, बंधवा बाजार, [illegible], जौनपुर के नाम भूमि एवं भवन पर उक्त नाम का संस्कृत महाविद्यालय ही संचालित होगा** तत्पश्चात मान्यता पत्र निर्गत किया जाय।

7- पं. विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मंझरिया, सिद्धार्थनगर।

विचार-विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र संलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक 01-10-2017 कि महाविद्यालय के नाम भूमि 0.2898 हेक्टेयर(31193.61 वर्गफुट), 22, कक्ष 10, 26.3×19.6, 03 हाल, 33×30 वर्गफुट, पुस्तकालय उपलब्ध है एवं अन्य सभी औपचारिकताएं पूर्ण है। अतः आवेदित महाविद्यालय को व्याकरण, साहित्य एवं पुराणेतिहास विषय में शास्त्री एवं आचार्य की मान्यता प्रदान करने की संस्तुति की जाती है, का गहनता पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात सम्बद्धता समिति संस्तुति की कि **महाविद्यालय को शास्त्री-साहित्य, व्याकरण की सम्बद्धता/मान्यता प्रदान की जाय।**

8- बाबा [illegible] संस्कृत महाविद्यालय, [illegible], [illegible], गाजीपुर।

विचार-विमर्श के क्रम में सम्बद्धता समिति ने सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र संलग्नक सहित तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु गठित पैनल की आख्या दिनांक 20-01-2018 कि महाविद्यालय के नाम भूमि ------------ हेक्टेयर, 09 कक्ष 20×25, 01 हाल, 40×25 वर्गफुट, पुस्तकालय उपलब्ध है एवं अन्य सभी औपचारिकताएं पूर्ण है। अतः विश्वविद्यालय आदेश सं.सी.1023/2017 दिनांक 19-12-2017 द्वारा गठित निरीक्षक मण्डल ने दिनांक 20-01-2018 को बाबा [illegible] संस्कृत महाविद्यालय [illegible], [illegible], गाजीपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरान्त कार्यालय द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त गठित पैनल द्वारा आख्या प्रस्तुत की जा रही है। आख्या पत्र में बिन्दु संख्या 15 पर दी गई टिप्पणी विशेष रूप से विचारणीय है। पुनः

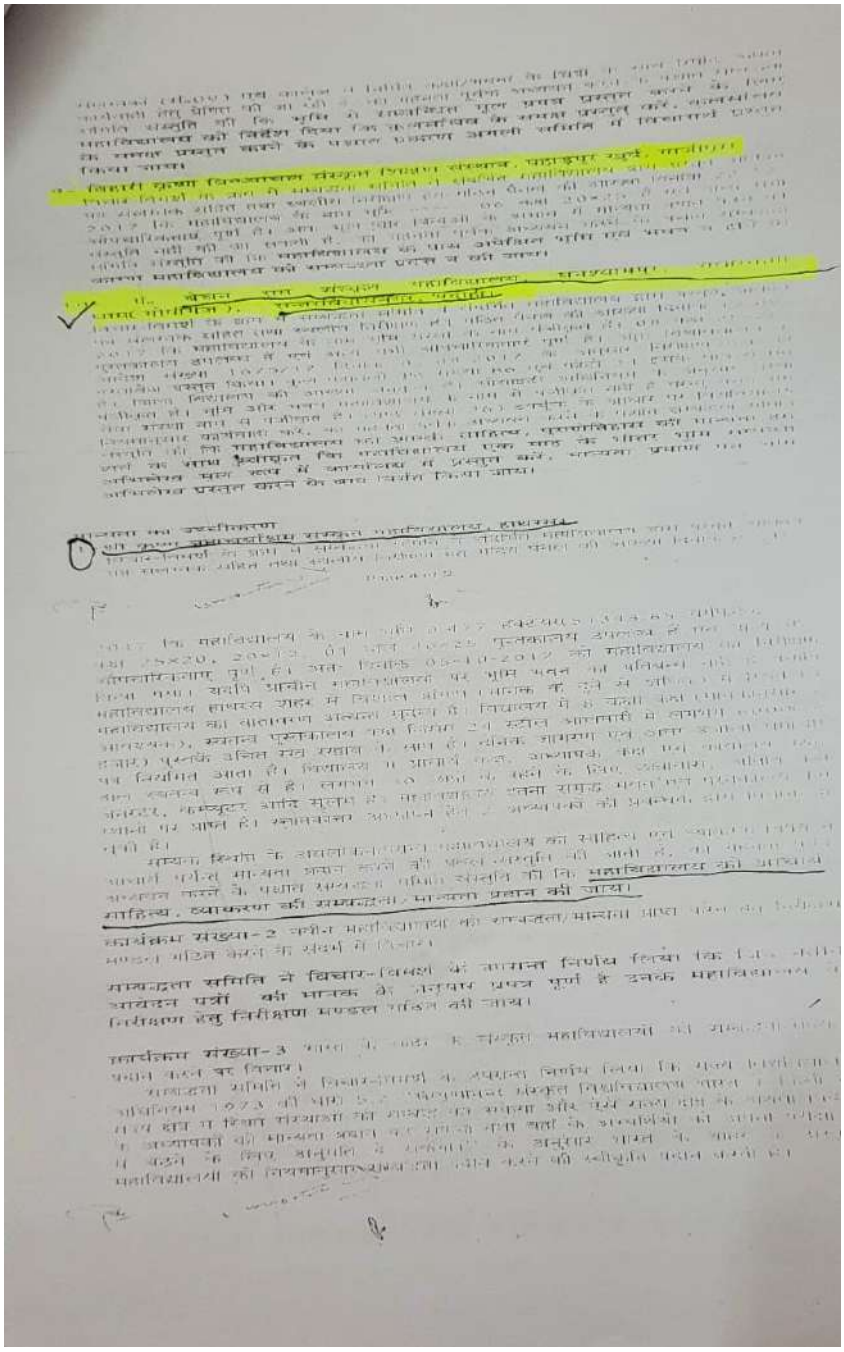

विचार-विमर्श के अनन्तर कार्यपरिषद् ने सर्वसम्मति से सम्बद्धता/मान्यता समिति की बैठक दिनांक 18.09.2018 में की गयी संस्तुतियों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जिन महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है, इनसे इस आशय से शपथ पत्र प्राप्त कर लिये जाय कि वे महाविद्यालय की भूमि पर संस्कृत महाविद्यालय के संचालन के अतिरिक्त अन्य किसी गतिविधियों का संचालन नही करेंगे।

साथ ही सम्बद्धता समिति की संस्तुति के सातत्य मे कार्यपरिषद् ने उ.प्र. राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा-5 की उपधारा-5 के क्रम में भारत के बाहर के संस्कृत महाविद्यालयों को नियमानुसार सम्बद्धता प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर विचार

1- कार्यपरिषद् को माननीय कुलपति महोदय ने सहर्ष अवगत कराया कि- विश्वविद्यालय ने दो अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों ***नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय, नेपाल, महात्मा गाँधी इन्स्टीट्यूट, मारीशस*** एवं ***सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविधालय, वाराणसी*** के मध्य शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग तथा क्रिया-कलापो के आदान- प्रदान हेतु एक अनुबंध (MOU) हस्ताक्षरित किया है।

2- मा. कुलपति महोदय ने परिषद् को यह भी अवगत कराया कि "द डिवाइन लाइफ सोसाइटी (The Divine Life Society) के द्वारा विश्वविद्यालय में परम्परागत विषयों के 17 विभागो